झारखण्ड सरकार

झारखण्ड राज्य खाद्य आयोग, राँची।

पत्रांक :– रा0खा0आ0 (विविध) 17/2022 - 568

प्रेषक,

संजय कुमार
सदस्य सचिव,
झारखण्ड राज्य खाद्य आयोग, राँची।

सेवा में,

सचिव
स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग,
झारखण्ड, राँची।

राँची, दिनांकः– 7.8.2023

विषयः– लकड़ी के चूल्हे पर मध्याह्न भोजन बनने संबंधी प्रकाशित समाचार पर कार्रवाई के संबंध में।

महाशय,

उपर्युक्त विषय के संबंध में निदेशानुसार कहना है कि दैनिक समाचार पत्र हिन्दुस्तान में दिनांक–18.07.2023 को "लकड़ी के चूल्हे पर बन रहा है एमडीएम" शीर्षक अन्तर्गत समाचार प्रकाशित हुआ है। प्रकाशित समचार में राँची जिले के अनगड़ा प्रखण्ड अन्तर्गत हुंडरूजारा और हुण्डरू गाढ़ापार स्थित प्राथमिक विद्यालय नयाटोली बीसा, प्राथमिक विद्यालय हुण्डरूजारा, प्राथमिक विद्यालय, हुण्डरू गाढ़ापारा तथा तमाड़ प्रखण्ड के राजकीय मध्य विद्यालय, बुरूडीह में लकड़ी के चूल्हे पर मध्याह्न भोजन तैयार किये जाने का उल्लेख किया गया है।

अतः उपरोक्त प्रकाशित समाचार पत्र की कतरन की प्रति संलग्न कर आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित की जा रही है। कृपया प्राप्ति स्वीकार करने की कृपा की जाय।

अनु0–यथोक्त।

विश्वासभाजन

7/8/23

(संजय कुमार)
सदस्य सचिव,
झारखण्ड राज्य खाद्य आयोग, राँची।

पता–झारखण्ड राज्य आवास बोर्ड के पुराने भवन का द्वितीय तल, हरमू हाउसिंग कॉलोनी, राँची–834002
email-jharfoodcommission@gmail.com, Ph. No:-06512252267/2252261

हिन्दुस्तान
दिनांक - 18-07-2023

949
31.7.23

(50)

लकड़ी के चूल्हे पर बन रहा है एमडीएम

5 जगह 5 रिपोर्टर

सरकारी स्कूलों में मिड डे मील एक महत्वाकांक्षी योजना के रूप में संचालित है। इसके बेहतर संचालन के दावे किए जाते हैं। साथ ही और बेहतर बनाने के लिए हर माह विभागीय अधिकारी समीक्षा भी करते हैं, लेकिन आज भी रांची के सुदूरवर्ती इलाकों में कई ऐसे स्कूल हैं, जहां मध्याह्न भोजन लकड़ी या कोयला चूल्हा के भरोसे चल रहा है।

सिलेंडर वैन नहीं पहुंच पाने से लकड़ी के चूल्हे का सहारा

अनगड़ा

हुंडरू जारा और हुंडरू गढ़ापार सुदूरवर्ती इलाकों में हैं, जहां सिलेंडर वैन नहीं पहुंच पाता, जिसकी वजह से भोजन लकड़ी में बनाने की स्कूल प्रबंधन की मजबूरी है। बीपीओ पंकज तिर्की ने कहा कि प्रखंड के कुछ स्कूल ऐसी जगह हैं, जहां गैस की गाड़ी नहीं पहुंच पाती है। प्राथमिक विद्यालय नया टोली बीसा, प्राथमिक विद्यालय हुंडरू जारा, प्राथमिक विद्यालय हुंडरू गढ़ापार में आज भी लकड़ी जलाकर मध्याह्न भोजन तैयार किया जा रहा है।

नया टोली स्कूल बीसा के शिक्षक प्रकाश कुमार लोहरा ने बताया कि गैस सिलेंडर भराने के लिए पर्याप्त राशि नहीं बच पाती है। स्कूल को बच्चों की संख्या के आधार पर कुकिंग कॉस्ट मिलती है। हमारे स्कूल में मात्र 25 बच्चे हैं, इसलिए मजबूरन जंगल से सूखी लकड़ी की व्यवस्था कर भोजन तैयार किया जाता है।

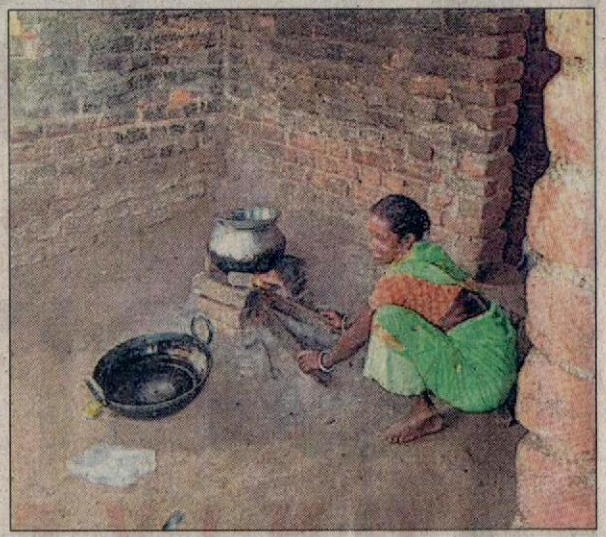

अनगड़ा में सोमवार को बीसा के स्कूल में लकड़ी पर मध्याह्न भोजन बनाती महिला।

सिलेंडर चोरी होने से आ रही परेशानी

तमाड़

राजकीयकृत मध्य विद्यालय बुरूडीह में इस समय लकड़ी के चूल्हे पर खाना बन रहा है। कारण है स्कूल से सिलेंडर चोरी हो जाना। प्राचार्य संतोष कुमार महतो का कहना है कि अगस्त 22 में स्कूल के दोनों गैस सिलेंडर चोरी हो गए, जिससे हम लोगों को लकड़ी पर खाना बनाना पड़ता है। बाकी प्रखंड क्षेत्र के लगभग सभी विद्यालयों को गैस सिलेंडर उपलब्ध करा दिया गया है। सभी स्कूलों में बच्चों के लिए मिड डे मील का निर्माण रसोई गैस से किया जा रहा है।